ऋग्वैदिक कालीन नदियाँ

Rigvedic Rivers

प्राचीन	नया
सुवस्तु	स्वात
आस्किनी	चिनाब
गोमत	गोमती
विपाशा	व्यास
शतुद्री	सतलज

सरस्वती नदी - देवीतमा, मातेतमा

प्राचीन नाम (old name)	नया नाम (New Name)
सिंधु / हिरण्य / हिरक्ष	सिंधु
परूष्णी	रावी
वितस्ता	झेलम
सदानीरा	गण्डक
दृषद्वती	घग्घर
क्रुमु	कुर्रम
कुभा	काबुल

ऋग्वैदिक कालीन देवता Rigvedic period deities

- Indra इंद्र → युद्ध एंव वर्षा war and rain
- Fire अग्नि → अग्नि के देवता
- Varuna वरुण → समुद्र, ऋतु परिवर्तन Sea, Season Change
- Mon सोम → वनस्पति vegetable , औषधि (Medicine)
- Usha उषा → प्रगति एवं उत्थान progress and upliftment / भोर की देवी
- Vishnu विष्णु → विश्व के संरक्षक एंव पालनकर्ता protector and sustainer of the world
- Marut मरुत → आंधी तूफान के देवता god of storm

ब्रह्मा → सृष्टि की रचना
शिव → सृष्टि विनाशक

ऋग्वेद में शब्द words in rigveda

Arya आर्य → 33 / 36

Indra इन्द्र → 250

Agni अग्नि → 200

Vishnu विष्णु → 100

आर्य / आर्यवर्त / आर्यन 37

Shiva शिव → 3

Sindhu सिंधु → 55

Yamuna यमुना → 3

Ganga गंगा → 1

Saraswati सरस्वती → 50

पिता (Father) → 335

माता (Mother) → 234

कृषि (Agriculture) - 33

सभा - 8

समिति → 9

राष्ट्र (Nation) → 10

ग्राम (Gram) → 13

ब्राह्मण (Brahman) → 15

वर्ण ⇒ 23

सोम देवता ⇒ 144

विदथ (vidhath) → 122 बार
↓
कबीले का राजा / सरदार

जन ⇒ 275 बार

सभा (sabha) → राजा को
सलाह (Advice) देने वाली संस्था
→ वृद्ध लोग भाग लेते थे।

समिति (Samiti) ⇒ इसमें आम जनता (General people) भाग (Participate) लेते थे।

उपनिषद्

- अर्थ (Meaning) → गुरु के समीप बैठकर शिक्षा प्राप्त करना।
- कुल (total) ⇒ 108

कुल उपनिषद् 108

Total Upanishads 108

- 4 सिर्फ गद्य में 4 only in prose
- 2 गद्य और पद्य में 2 In prose and poetry
- 102 सिर्फ पद्य में 102 only in verse

Poetry

ex: ⇒ चंपू काव्य

- ① 4 - कठोपनिषद् 4 - Kathopanishad → यम - नचिकेता संवाद (Dialouges)
  ↓ मृत्यु के देवता (God of Death)
- ② ईश उपनिषद् Ish Upanishad
- ③ श्वेतांबर उपनिषद् Shwetambar Upanishad
- ④ मैत्रेणयी उपनिषद् Maitrenaya Upanishad

➢ 2 Prashna Upanishad 2 प्रश्न उपनिषद्

Ken Upanishad केन उपनिषद्

↓

गद्य + पद्य

(Prose + Poetry)

ये दोनो उपनिषद् चम्पू काव्य के उदाहरण हैं।

Both these Upanishads are examples of Champu poetry.

- सबसे बड़ा उपनिषद् - वृहदारण्यक उपनिषद्

  Largest Upanishad - Brihadaranyaka Upanishad

  - गार्गी और याज्ञवल्क्य संवाद
  - याज्ञवल्क्य मैत्रेयी कात्यायनी संवाद
  - तमसो मा ज्योतिर्गमय
  - अंधकार से प्रकाश की ओर

- सबसे छोटा - मांडूक्यो उपनिषद्

  Smallest - Mandukyo Upanishad

- सबसे पुराना उपनिषद्

  Oldest Upanishad

  - छांदोग्य उपनिषद्

    Chandogya Upanishad

- मुण्डकोपनिषद् - सत्यमेव जयेत

  Mundakopanishad - Satyameva Jayet

उपनिषद् → अर्थ → गुरु के समीप बैठकर शिष्य।

- कुल → 108
- गद्य (Prose) → 4
- गद्य और पद्य → 2
- पद्य (Poetry) → 102
- यम - नचिकेता संवाद → कठोपनिषद्
- गार्गी - याज्ञवल्क्य संवाद → बृहदारण्यक
- तमसो मा ज्योतिर्गमय → 〃
- सत्यमेव जयते → मुण्डकोपनिषद्
- सबसे बड़ा → बृहदारण्यक
- 〃 छोटा → माण्डूक्य
- 〃 〃 → छांदोग्य ✓

Revision

- 16 संस्कारों का वर्णन व्यास स्मृति, मनुस्मृति और धर्मशास्त्रों में मिलता है। Description of 16 rituals is found in Vyas Smriti, Manusmriti and Dharmashastras.

- Garbhadhan Sanskar गर्भाधान संस्कार
- Punsavan Sanskar पुंसवन संस्कार
- Samintonnayan Sanskar समिन्तोन्नयन संस्कार
- Jaatkaram Sanskar जातकर्म संस्कार
- नामकरण संस्कार Namkaran Sanskar
- निष्क्रमण संस्कार Nishkraman Sanskar
- अन्नप्रशन संस्कार Annaprashan Sanskar
- चूड़ाकर्म संस्कार Chudakaram Sanskar
- विद्यारंभ संस्कार Vidyarambh Sanskar

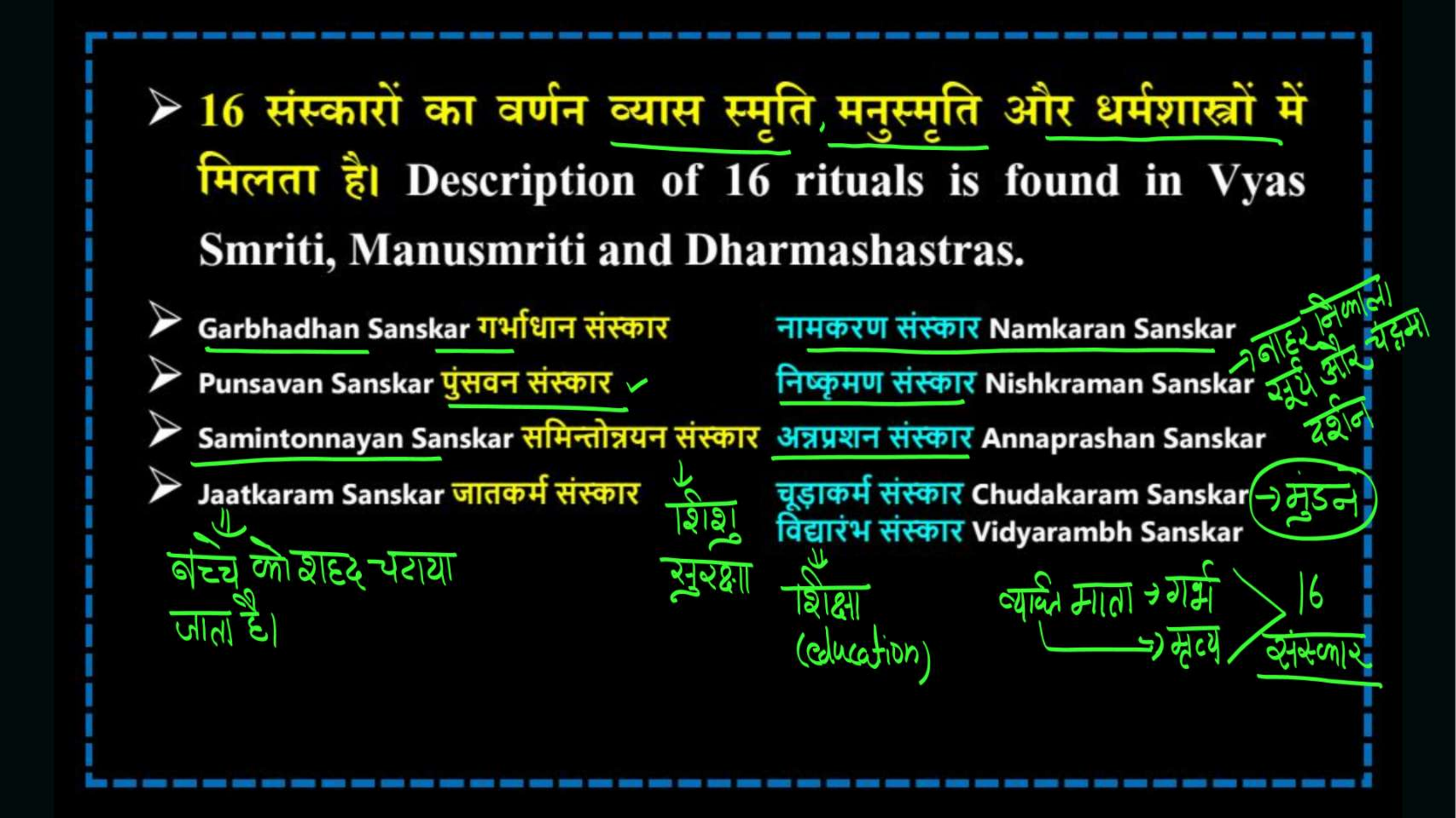

- कर्णभेदन संस्कार Ear piercing ceremony
- यज्ञोपवीत संस्कार Yagyopaveet ceremony → जनेऊ
- वेदारंभ संस्कार Vedarambha ceremony
- केशांत Keshantha
- समावर्तन Samvartan
- विवाह Marriage
- अन्त्योष्टि Antyoshti

बच्चे को वेदों का ज्ञान (आश्रम) / गुरुकुल

गुरुकुल से विदाई

गृहस्थ आश्रम में प्रवेश

मृत्यु के पश्चात् किये जाने वाले कर्मकांड (Rituals)

मोहनजोदड़ो ✓

विशाल स्नानागार (Great bath)

ल० ⇒ 11·89 (लगभग ⇒ 12 m.)

चौ० ⇒ लगभग 7 m. // (लगभग)

गहराई ⇒ 2·54 m. (लगभग)

वेद

ऋग्वेद

उत्तर वैदिक काल
- सामवेद
- यजुर्वेद
- अथर्ववेद

वेद Veda

- ऋग्वेद - सबसे पुराना वेद Rigveda – the oldest Veda
- शब्दों की संखया - लगभग 1.50 लाख
  Number of words – approximately 1.50 lakh
- मण्डल – 10, अष्टक - 8 शाखा – 5 Mandal – 10, Ashtak – 8, Shakha – 5
- सूक्त – 1028 Sukta - 1028
- ऋचाओं का संकलन – 10462 Collection of verses - 10462
- वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद शतपि ब्राह्मण का स्थान है।
  In Vedic literature, Shatapi Brahmin's place is after Rigveda.
- ऋग्वेद को पढ़ने वाला - होतृ होता One who reads Rigveda - is Hotri

➢ ब्राह्मण ग्रंथ - ऐतरेय व कौषीतकी Brahmin texts – Aitareya and Kaushitaki

3rd मंड़ल - गायत्री मंत्री - सूर्य देवता को समर्पित

3rd Mandal - Gayatri Mantra - Dedicated to Sun God

की रचना - ऋषि विश्वामित्र Composed by - Rishi Vishwamitra

4th कृषि Agriculture

जानकारी - प्रथुवैन्यू पुरुष के बारे में पता चलता है।

Information - Knows about Prathuvainyu Purush.

भारत का पहला कृषि इंजीनियर

India's first agricultural engineer

- 7 वां मंडल - दशराज युद्ध का वर्णन

  7th Mandal - Description of Dasharaj war
- 8 वां मंडल - हस्तलिखित रचनाओ को खिल कहा जाता था।

  8th Mandal - Handwritten compositions were called Khil.
- 9 वां मंडल - सोम देवता को समर्पित

  9th Mandal - Dedicated to Som God

- **10th Mandal - Chatushvarna system caste system**

  10 वां मंडल - चातुष्वर्ण व्यवस्था जाति व्यवस्था

  Brahmin ब्राह्मण

  Kshatriya क्षत्रिय

  Vaishya वैश्य

  Shudra शूद्र

  इनके कर्तव्य धर्मसूत्र मे बताए गए हैं।

  Their duties are described in Dharmasutra.

For the first time Varna is mentioned in Purushasukta.

प्रथम बार वर्ण का उल्लेख पुरुषसूक्त में मिलता है।

The mantra of each mandala begins with the name of the fire god.

प्रत्येक मंडल का मंत्र अग्नि देवता के नाम से शुरू होता है।